मैक्स वेबर: नौकरशाही तथा सत्ता

(Max Weber: Bureaucracy & Authority)

डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय

सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्र विभाग

जे. एस. हिन्दू (पी. जी.) कॉलेज, अमरोहा

नौकरशाही/ अधिकारीतंत्र

- वेबर ने आधुनिक समाज की कार्यप्रणाली तथा सत्ता संरचना के विश्लेषण के क्रम में तार्किक क्रिया के संस्थागत स्वरूप तथा तार्किक–विधिक सत्ता के उदाहरण के रूप में नौकरशाही के आदर्श प्रारूप को प्रस्तुत किया है।
- अंग्रेजी शब्द 'Bureaucracy' में 'Buereau' का अर्थ होता है कार्यालय/ दफ्तर तथा 'Cracy' का अर्थ तंत्र/ शासन होता है।
- नौकरशाही का आधार विशिष्टीकरण होता है।
- वेबर के अनुसार नौकरशाही एक ऐसा स्थायी संगठन है, जिसमें कई व्यक्तियों के सहयोग को लेकर कार्यालय चलाया जाता है।

नौकरशाही एक प्रकार का संस्तरणात्मक संगठन होता है, जिसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर प्रशासनिक कार्यों को चलाने के काम में अनेक व्यक्तियों के कार्यों को तर्कसंगत रूप में समन्वित करना होता है।

नौकरशाही

- नौकरशाही शासन संगठन की वह श्रेणी है, जिसमें कर्मचारी मशीन के पुर्जों की भांति संरचनात्मक तथा कार्यात्मक पहलुओं का संपादन करते हैं।
- वेबर के शब्दों में, *'यह एक प्रकार का प्रशासकीय संगठन है, जिनमें **विशेष योग्यता**, **निष्पक्षता** तथा **मनुष्यता का अभाव** आदि लक्षण पाये जाते हैं।'*
- **वेबर के अनुसार नौकरशाही के प्रमुख तत्व**
  - पद सोपान के सिद्धांत से संचालित
  - अभिलेखों, फाइलों तथा लिखित दस्तावेजों पर आधारित
  - आधुनिक दफ्तरी प्रबंध के निर्णयों पर आधारित
  - कार्यालयीन प्रबंध के लिए सामान्य नियमों अथवा व्यवहारों की व्यवस्था का निर्माण
  - कार्यालयीन प्रबंध के नियमों तथा तकनीकियों में अधिकारी प्रशिक्षण प्राप्त

नौकरशाही की विशेषताएँ

- शासन संचालन की वैज्ञानिक पद्धति
- विशिष्ट कर्तव्यों से परिपूर्ण
- पद–सोपान पद्धति
- कर्तव्य पालन के स्पष्ट आदेश
- व्यक्तित्व एवं स्वभाव में अंतर
- कागजी कार्यवाही को महत्व
- व्यवस्थित दस्तावेज़ या अभिलेख
- सिद्धांत तथा व्यवहार में अंतर
- योग्यता तथा कुशलता को महत्व
- प्रतियोगी परीक्षाओं द्वारा अधिकारियों की भर्ती
- गोपनीयता
- प्रशिक्षण
- नियमित पारिश्रमिक का भुगतान
- वरिष्ठ अधिकारी के पास अनुशासनात्मक कार्यवाही के अधिकार
- अधिकारियों की आर्थिक सुरक्षा
- कर्मचारियों के लिए पदोन्नति के अवसर
- कार्यालय की गतिविधियों में निरंतरता

नौकरशाही के सामाजिक परिणाम

नौकरशाही के सकारात्मक परिणाम

- प्रशासन को प्राविधिक श्रेष्ठता प्रदान करना
- लोकतंत्र के लिए अनिवार्य
- प्रशासन तथा राजनीतिक नियंत्रण की पृथकता संभव
- शिक्षा के महत्व तथा विभेदीकरण को प्रोत्साहन
- एक नई तार्किक, वैज्ञानिक व अवैयक्तिक संस्कृति का उदय
- प्रशासन के साधनों का एकीकरण
- आर्थिक सामाजिक अंतरों को पाटना

नौकरशाही के नकारात्मक परिणाम

- रचनात्मक निजी पहल में बाधक
- आत्मविहीन विशेषज्ञों का उदय
- भीरु अधिकारी आपातकालीन संकट के समय में असमर्थ
- परंपरागत मूल्यों का ह्रास

सत्ता/ प्रभुत्व की अवधारणा

- वेबर द्वारा प्रस्तुत शक्ति तथा सत्ता की अवधारणा राजनीतिक समाजशास्त्र की केंद्रीय अवधारणाएँ हैं।
- पूंजीवादी समाज में शक्ति संरचना के विश्लेषण के क्रम में वेबर ने शक्ति एवं सत्ता पर अपने विचारों को प्रस्तुत किया है।
- वेबर ने सत्ता/ प्रभुत्व के लिए जर्मन शब्द 'Herrschaft' का प्रयोग किया है, जिसका अर्थ मास्टर/ मालिक होता है। वहीं अंग्रेजी शब्द 'Domination' लैटिन के 'Dominus' का रूपांतरण है, जिसका अर्थ होता है स्वामी तथा इसके आदेश को मानने के लिए अधीनस्थ बाध्य रहते हैं।
- प्रभुत्व में सामान्यतः एक स्वामी होता है तथा दूसरा उसका अधीनस्थ।

'प्रभुत्व वह स्थिति है, जिसमें स्वामी का आज्ञापालन वे व्यक्ति अथवा समूह करते हैं जो अपनी स्थिति को स्वामी के कारण मानते हैं।' ***– वेबर***

शक्ति

- वेबर के अनुसार शक्ति सामाजिक संबंधों का एक विशिष्ट स्वरूप है अर्थात् सामाजिक संबंधों में जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में हो कि दूसरे के प्रतिरोध के बावजूद वह अपनी इच्छा को पूरा करवा लेता है तो यह शक्ति है।
- शक्ति का आशय किसी व्यक्ति अथवा समूह की उस ताकत या क्षमता से है जिसके आधार पर वह अन्यों की इच्छा न होते हुए भी अपनी इच्छाओं को पूरा करवाने में सफल होता है।
- **मानव समाज में शक्ति के दो रूप**
  - अवैध शक्ति
  - वैध शक्ति

शक्ति का यह वैध स्वरूप ही सत्ता कहलाती है। अर्थात् दूसरे व्यक्ति के व्यवहारों को व्यवस्थित या नियंत्रित करने तथा उनके संबंध में निर्णय लेने में मान्यताप्राप्त अधिकारों या शक्ति के वैधतायुक्त प्रयोग को सत्ता कहते हैं।

सत्ता व्यवस्था के अस्तित्व के लिए आवश्यक तत्व

- शासक अथवा शासकों का समूह
- शासित व्यक्ति अथवा समूह, जिनपर शासन किया जाता है।
- शासित लोगों के व्यवहार को प्रभावित करने की शासक की इच्छा, जो आदेशों के माध्यम से व्यक्त होती है।
- शासित द्वारा प्रदर्शित आज्ञा पालन के रूप में शासकों के प्रभाव का प्रमाण।
- इस बात का प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष प्रमाण कि शासित लोगों ने स्वेच्छा से (वैधता प्रदान कर) शासक के आदेशों का पालन किया है।

स्पष्ट है कि किसी भी सत्ता व्यवस्था में कुछ आदेश देते हैं तथा शेष उनका पालन करते हैं। जो आदेश देते हैं, वह यह उम्मीद करते हैं कि उनके आदेशों का पालन होगा। अर्थात् दोनों ही पक्ष मिलकर सत्ता व्यवस्था को वैधता प्रदान करते हैं।

सत्ता के प्रकार

तार्किक–वैधानिक सत्ता (Legal)

यह सत्ता ऐसे नियमों की एक प्रणाली होती है, जो निश्चित सिद्धांतों के रूप में न्यायिक तथा प्रशासकीय रूप में प्रयुक्त होती है। (नौकरशाही)

परंपरागत सत्ता (Traditional)

यह परंपरागत मान्यताओं को पवित्र मानने के विश्वास पर आधारित होती है। (राजा, कुलपिता)

करिश्माई सत्ता (Charismatic)

यह किसी व्यक्ति के चमत्कारी गुण अथवा अद्भुत व्यक्तित्व के रूप में उस व्यक्ति के प्रति उसके अनुयाईयों की भक्ति-भावना पर आधारित होती है। (पैगंबर, गांधी, लेनिन)

Next Class:

मैक्स वेबर: प्रोटेस्टेंट नैतिकता व पूंजीवाद तथा अन्य अवधारणाएँ

(Max Weber: Protestent Ethics & Capitalism & Other Concepts)